Raj Express (Indore), 29th September 2025, Page-11

प्रतिष्ठित अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन नेचुरल हैजार्ड्स मिटिगेशन अवॉर्ड-2025 मिला

अंतर्राष्ट्रीय सम्मान आईआईटी इंदौर की प्रोफेसर को

भारत और दुनियाभर में कमजोर समुदायों की सुरक्षा

● इंदौर / राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर की संकाय सदस्य को प्रतिष्ठित अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन (एजीयू) नेचुरल हैजार्ड्स मिटिगेशन अवार्ड-2025 से सम्मानित किया गया। सिविल इंजीनियरिंग विभाग की प्रोफेसर नीलिमा सत्यम को यह अवॉर्ड देकर सम्मानित किया है। यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्रोफेसर नीलिमा के भूस्खलन अध्ययन, भूकंप इंजीनियरिंग और आपदा जोखिम में कमी के क्षेत्र में उनके अग्रणी कार्य के लिए दिया गया है।

उनका शोध प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी, निगरानी और रोकथाम के लिए नई रणनीतियां विकसित करने के लिए व्यावहारिक विज्ञान और इंजीनियरिंग को एक साथ जोड़ता है, जिसका उद्देश्य भारत और दुनियाभर में कमजोर समुदायों की सुरक्षा करना है। प्रोफेसर नीलिमा ने भू-तकनीकी जांच, रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे दुनिया भर में मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण और आपदा जोखिम में कमी में योगदान हुआ है।

असाधारण निष्ठा और नवाचार का प्रमाण

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा, प्रो. नीलिमा सत्यम की यह उपलब्धि उनकी असाधारण निष्ठा और संस्थान में नवाचार की भावना का प्रमाण है। उनके शोध कार्य से न केवल हमारा संस्थान वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ा है, बल्कि आपदा जोखिम में कमी और जलवायु लचीलापन के क्षेत्र में भारत की कोशिशों को भी मजबूती मिली है।

शोध के लिए बेहतरीन परिवेश और निरंतर सहयोग

प्रोफेसर नीलिमा ने कहा, मुझे यह सम्मान मिलने पर बहुत गर्व है। आईआईटी इंदौर ने शोध के लिए एक बेहतरीन परिवेश और निरंतर सहयोग दिया है, जिससे मुझे ऐसी बहु-विषयक परियोजनाओं पर काम करने का मौका मिला, जिनका उद्देश्य कमजोर समुदायों की सुरक्षा करना और मजबूत बुनियादी ढांचा बनाना है। यह उपलब्धि आईआईटी इंदौर की अनुसंधान में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है और आपदा प्रबंधन व जलवायु लचीलापन से संबंधित गंभीर चुनौतियों से निपटने में भारत की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित करती है।